कल्पवृक्ष

उत्तर-पुस्तिका

7

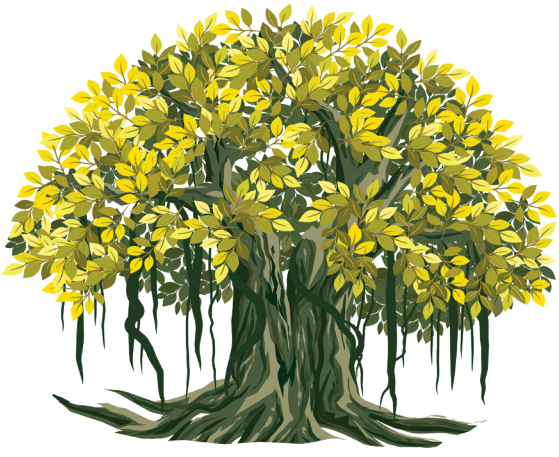

50 YEAR ANNIVERSARY
SOUVENIR
PUBLISHERS PVT. LTD.

कल्पवृक्ष - 7

पाठ - 1 नए समाज के लिए

अभ्यास

बात-बात में

(क) अपने देश का सिर ऊँचा उठाने के लिए हमें असंख्य शीश कटाने पड़े।
(ख) अपार खून पसीना बहाकर नया रास्ता बनाया।
(ग) बच्चे अध्यापक की सहायता से स्वयं करें।
(घ) मनुष्यता पुनीत ज्योति के वितान की बात कही गई है।
(ङ) कवि सुबुद्धि बिमल प्रकाश विनीत शक्ति और पुनीत ज्ञान चाहता है। स्वर्ग व्रजदंड कूटनीति और स्वर्गखंड कवि नहीं चाहता।
(च) धनी लोगों से पहले कवि मजदूर और किसान को सुखी देखना चाहता है।

लिखित

1. (क) मनुष्यता (ख) राजकुमार चतुर्वेदी
2. (क) कवि नए समाज के विकास के लिए नया विधान माँग रहा है।
   (ख) नए समाज का विकास ही सभी धर्मो का ध्येय है और मनुष्यता का सबसे बड़ा धर्म कहा गया है।
   (ग) कवि देशवासियों को धीरे मंद चाल से चलने के लिए इसलिए मना कर रहा है क्योंकि विकास के लिए नई दिशा नए कदम और नए प्रयासों की आवश्यकता होती है।
   (घ) विनीत शक्ति का तात्पर्य विनम्रता के भाव से युक्त व्यक्ति से है। जिसकी विन्रमता स्वभावनुसार सहज हो।
   (ङ) कवि सद्बुद्धि की कामना करता है कि कवि को न ही स्वर्ग न वज्रदंड, न क्रूर नीति चाहिए।
   (च) व्यापारियों के अपने नाम ऊँचे हों और वे तरक्की करें।
   (छ) कवि को न ही स्वर्ग चाहिए न ही वज्रदंड चाहिए उसे केवल सद्बुद्धि व विमल प्रकाश चाहिए।

खेल शब्दों का

1. तन - शरीर चाल - गति, षडयंत्र घड़ी - समय पंथ - रास्ता, मार्ग दिशा - मार्ग शीश - सिर।
2. परदेश - स्वदेश पुराना - नया अंतिम - अग्रिम गरीब - अमीर अंधकार - प्रकाश अविनीत - विनीत
3. (क) क् + य् + ओ (ख) तब (ग) कर्म (घ) लेकिन (ङ) शीश
4. स्वयं करें।
5. स्वयं करें।

पाठ - 2 लड़की और दियासलाईयाँ

अभ्यास

बात-बात में

(क) वह लड़की दियासलाई बेचा करती थी।

(ख) इस कहानी में साल के अंतिम दिन की घटना को आधार बनाया गया है।

(ग) इस कहानी का अनुवाद ल्यूबा कुज्मिना ने किया है।

(घ) इस कहानी का संबंध डेनमार्क से है।

लिखित

1. (क) अटारी (ख) दियासलाई की (ग) लंबे (घ) डेनमार्क (ङ) दियासलाई
   (च) डर गई (छ) लाल और नीले रंग के हो गए।

2 (क) दियासलाई के जलने पर लड़की को अनुभव हुआ कि वह बड़े चूल्हे के पास बैठी है।

(ख) चारों ओर खिड़कियों में रोशनी चमक रही थी और स्वादिष्ट व्यंजनों की खुशबू चारों और फैल रही थी इससे पता चलता था कि लोग नए साल की तैयारी कर रहे है।

(ग) अत्यधिक ठंड पड़ रही थी लड़की के पास न जूते थे न ढंग के गर्म कपड़े यही उसकी समस्या थी दियासलाई जलाकर उसने इसका समाधान निकाला।

(घ) ठंड बहुत ज्यादा थी लड़की अपने घर नहीं पहुँच पाई थी वह एक घर के पीछे एक जगह पर बैठ गई और वही ठंड की वजह से उसका अंत हो गया।

(ङ) लड़की घुड़सवारों को देखकर डर गई और उसने भागना शुरू कर दिया।

(च) लड़की ने अनुमान लगाया कि किसी की मृत्यु हुई है क्योंकि उसकी नानी जो मर चुकी है अक्सर कहा करती थी जब कोई तारा टूटता है तो इसका मतलब है कोई आदमी भगवान के पास जा रहा है और वह कह उठी कि किसी की मृत्यु हो गई है लड़की नए साल को मनाने की कल्पनाएँ करती है कि क्रिसमस ट्री के सामने बैठी है। बहुत सारी मोमबतिया क्रिसमस ट्री की हरी टहनियों पर जल रही हैं बहुत सारे अच्छे-अच्छे खिलौने उसके पास रखे हुए थे।

(छ) लड़की नएसाल को मनाने के लिए कल्पना की बहुत सारे पकवान बनेगे चोरो तरफ रोशनी ही रोशनी होगी।

(ज) लड़की नंगे पैर चलती जा रही थी तथा वह ठंड से कंपकंपा रही थी।

3. (अ) रोशनी में लड़की ने नानी को देखा।

(ब) लड़की ने सभी दियासलाईयों को एक साथ जला दिया क्योंकि वह अपनी नानी को देखना चाहती थी।

(स) वे दोनों भगवान से पास चल दीं।

(द) नानी ने लड़की को अपनी गोद में ले लिया और वे दोनों खुशी से इसी जगह के लिए चल दी जहाँ भूख, सर्दी, डर नहीं होता है।

4. (अ) प्रस्तुत पंक्ति में साल की अंतिम शाम की बात हो रही है। उस शाम बहुत अधिक ठंड थी। बर्फ पड़ रही थी और अँधेरा बढता जा रहा था।

(ब) रात में लड़की ने अपनी सारी दियासलाई जला दी थी। फिर भी बीते साल की अंतिम शाम वह ठंड से मर चुकी थी। अगले दिन लोगों ने कहा कि वह तो गर्म होना चाह रही थी।

(स) लड़की रात के समय दियासलाई जलाकर अपनी ठंड दूर करने का प्रयास कर रही थी। तभी दियासलाई बुझ गई और लड़की के सामने ठंड रूपी दीवार खडी हो गई अर्थात वह फिर ठंड से कंपकंपा गई।

5. (क) हंस (ख) बर्फ (ग) दियासलाई (घ) व्यंजनों

खेल शब्दों का

1. (क) मेज पर सूखे अलूचे और सेब रखे थे।
   (ख) लड़की ने घुड़सवारों को देखा।
   (ग) उसने दियासलाई जलाई।
   (घ) उसके जूते दिखाई नहीं दिए।
   (ङ) गरीब लडकियाँ जा रही थी।
2. (क) अधिकरण कारक (ख)अधिकरण कारक (ग) अधिकरण कारक
   (घ) संप्रदान कारक (ङ) कर्म कारक (च) कर्ता कारक
3. गर्म - गर्माहट भूखा - भूख अंतिम - अंत ठंडी - ठंड
   गरीब - गरीबी सुंदर - सुंदरता
4. कम (ख) कल (ग) बाहर (घ) ऊपर
5. (क) वह सबके साथ पढ़ना चाहती है।
   (ख) मैं आपके साथ जाना चाहती हूँ।
6.

वाक्य	विशेषण	विशेष्य
लड़की के लाल गाल थे	लाल	गाल
लोग नए साल की तैयारी कर रहे थे	नए	साल
लड़की ने फटे जूते पहन रखे थे।	फटे	जूते
दो घुड़सवार तेजी से आए	तेजी से	घुड़सवार
वहाँ एक बड़ी मेज रखी थी।	बड़ी	मेज

पाठ - 3 स्वर्ण मरीचिका

अभ्यास

बात-बात में

(क) यह कहानी लोककथा शैली में रचित है।

(ख) यह कहानी हमे समय का महत्व बताने के साथ-साथ लोभ लालच त्यागने के लिए प्रेरित करती है।

(ग) इस कहानी के रचियता विजयदान देथा हैं।

लिखित

1. (क) सोना (ख) पारस (ग) संत के (घ) समय का (ङ) स्वर्ण की
2. (क) भगत की पत्नी तवे पर पारस का चमत्कार देखना चाहती थी।
   (ख) स्वयं करें।
   (ग) तवा, चिमटा, संडासी, छलनी, छुरी, कडाही, कैंची, सांकल, कुंडी, और ताला चाबी भगत को अपने घर में लोहे की चीजे दिखाई दी।
   (घ) भगत ने स्वर्ग या मोक्ष की अपेक्षा स्वर्ण को अधिक महत्व दिया इससे उसके लालची होने की प्रवृति का पता चलता है।
   (ङ) महात्मा और भगत की सोच में सही अंतर था कि भगत बेशुमार सोने की कामना रखता था जबकि महात्मा सोचता था कि लोग पैसा जोड़ने के लिए कितने कष्ट उठाते है फिर भी उसका पीछा नहीं छोड़ते।
   (च) कहानी में भगत ने एक पखवाड़े की तपस्या से ही पारस प्राप्त कर लिया था।
   (छ) अधिकाधिक सोना पाने की इच्छा को पूरा करने के लिए भगत ने सारे घर के लोहे को इकठा करना शुरू का दिया। जैसे - तवा चिमटा,संडासी, छलनी, छुरी, कडाही, कैंची, सांकल, कुंडी, और ताला चाबी आदि। इतना सब इकठा करने पर भी उसे वह बहुत कम प्रतीत हुआ।
   (ज) बूढी माँ ने बेटे भगत को बात समझनी चाही कि घर का लोहा ही काफी है। अपार लोहे का लालच ना करे। हाथ आए पारस को अभी बरत ले तो अच्छा है। घर की चीजों को कम मत समझें।
   (झ) बूढ़े बाप ने लोहे की अन्य चीजों की ओर ध्यान दिलाया कि झोपड़ी में दो कुल्हाडियाँ, हथौड़ा, हल का फाल हंसिया दो फावड़े तीन कुदालियाँ और दो हलबनियाँ पड़ी है।
   (ञ) पखवाड़ा बीतने के निकट आने पर बनिये और भगत की हालत खस्ता हो गई। बनिया पागल सा हो गया और बडबडाने लगा कितना पैसा इन इक्कीस गाडियों में डूब गया इस लोहे से क्या अपना सर फोड़ूगा भगत भी परेशान था कहने लगा महात्मा से थोड़ी मोहलत और माँग लूँगा। वे मुझे मना नहीं करेंगे।
   (त) महात्मा भगत की भक्ति से प्रसन्न हो गए और भगत से बोले "बच्चा तेरी भक्ति से मैं बहुत प्रसन्न हुआ बोल तेरी क्या कामना है, मोक्ष पाना चाहता है या जीते जी स्वर्ग जाना चाहता है?"
   (थ) ज्यादा से ज्यादा पाने की मनोवृति के कारण भगत अंतिम समय तक सोना बनाने के लिए पारस का प्रयोग नहीं कर सका।
   (द) महात्मा को सामने पाकर उसकी सारी दृढ़ता जाती रही उसकी आँखों के सामने समूची दुनिया धू-धू कर जलने लगी वह गिडगिडाने लगा और महात्मा थोड़ी से मोहलत माँगने लगा।
   (ध) यदि भगत घर की चीजों को ही सोने का बना लेता तो उसे महात्मा के सामने गिडगिडाना न पड़ता और पूरी जिन्दगी आराम से जी सकता था।

(न) इस कहानी में भगत की माँ लालची प्रतीत नहीं हुई क्योंकि उसका कहना था – बेटा घर का लोहा ही काफी है। तू अपार लोहे का लालच मत कर।

(प) (अ) प्रस्तुत वाक्य में लालची भगत की उस स्थिति के बारे में बताया गया है, जब अधिक से अधिक पाने के चक्कर में थोडा भी गवा बैठा पारस पाने वाले भगत की ऐसी स्थिति हो गई कि वह स्वयं नहीं समझ पा रहा था कि वह जिन्दा है की मर चुका है।

(ब) इस वाक्य में समय के महत्व को दर्शाया गया। लालची भगत द्वारा तय समय तक पारस का उपयोग न कर पाने पर महात्मा उससे कह रहे है कि समय अनमोल है और तुमने उसे यूँ ही गवा दिया अर्थात तुम पारस का कोई लाभ न उठा सके।

(स) लालची भगत सोने के लालच में इस कदर अंधा है कि उसे लगता है भगवान भी सोने के ही स्वप्न देखते हैं।

(द) बनिया भगत को समझाते हुए कह रहा है कि हाथ आया टका स्वप्न के अपार खजाने से कही बढ़कर होता है अर्थात हमे थोडा बहुत भी कुछ मिल गया है तो वह उससे कही ज्यादा है जो हम सपने में खजाना देखते हैं।

3.

किसने कहा	किससे कहा
(क) महात्मा ने	भगत से
(ख) भगत ने	महात्मा से
(ग) महात्मा ने	भगत से
(घ) माँ ने	भगत से
(ङ) सेठ ने	भगत से

खेल शब्दों का

1. उपसर्ग – बेसहारा, बेमिसाल, बेतुका, बेईमान, बेचैन
2. (क) हालत खस्ता होना – (बुरा हाल होना) जैसे जैसे परीक्षा के दिन नजदीक आए, सोहन की हालत खस्ता होने लगी।

   (ख) ताँता लगना – (भीड़ लगना) शहर में मेला लगते ही लोगों का ताँता लगना शुरू हो गया।

   (ग) हाथ मलते रह जाना – (पछताते रहना) लालची भगत तय समय तक पारस का उपयोग न कर सका और अंत में हाथ मलते रह गया।

   (घ) धू-धू कर जलना – (ऊँची लपटों के साथ जलना) परीक्षा परिणाम को देखते ही राजू की आँखों के सामने मानो सारी दुनिया धू-धू कर जलने लगी।
3. गिरस्ती – गृहस्थी भगत – भक्त जनम – जन्म भगति – भक्ति
4. (क) खूब (ख) बेतहाशा (ग) सीधा (घ) बाहर (ङ) पखवाड़े
5. (क) हम इस स्कूल पर विश्वास नहीं करते।

   (ख) मैं तुम्हारी बात पर पूरा भरोसा करता हूँ।

पाठ - 4 सड़क की बात

अभ्यास

बात-बात में

(क) महापुरुष के स्तूप बीज अंकुरित और पुष्पित होकर नए पथिकों को छाया प्रदान करते है।

(ख) सड़क उन्हें अच्छी तरह से पहचानती है जो प्रतिदिन नियमित रूप से उसके ऊपर चलते है।

(ग) सड़क रात-दिन पैरों की आहट सुनती रहती है।

(घ) बालिका पेड़ के नीचे थकी हारी चुपचाप खड़ी रहती थी।

(ङ) आहिल्या मुनि श्राप से पाषाण हो गई।

लिखित

1. (क) अंधे की तरह (ख) उपाय (ग) एक
2. (क) बालिका से चला न गया और वह धूल पर लेट गयी इसलिए सड़क ने ऐसा कहा।

   (ख) बरसो की टूटी-फूटी बाते और बिखरे हुए गाने सड़क की धूल के साथ धूल बन गई।

   (ग) सड़क को रात दिन यह शोक रहता है कि मुझ पर कोई खड़ा नहीं रहना चाहता जिनका घर बहुत दूर है, वे मुझे ही कोसते है।

   (घ) सड़क कोई भी कहानी पूरी इसलिए नहीं सुन पाती क्योंकि उसे सुनाने वाला आदमी ही आगे बढ़ जाता है और सड़क अकेली रह जाती है।

   (ङ) चरणों के स्पर्श से सड़क प्रतिदिन नियमित रूप से अपने ऊपर चलने वालो को जान लेती है।

खेल शब्दों का

1. गृहस्थी - गृह, गृहिणी
   ग्रह - ग्राम, ग्रामीण
3. आकाश - पृथ्वी सोना - जगना कोमल - कठोर छाया - धूप जड़ - चेतन
   पाप - पुण्य शोक - हर्ष समाप्त - शुरुआत अंत - अनंत
   एक - अनेक सूखा - गीला आशा - निराशा

पाठ - 5 सच्चा राज्य

अभ्यास

बात-बात में

(क) किसान कड़ी धूप में खून-पसीना एक करके अन्न उपजाते है इसलिए किसानों को अन्नदाता कहा जाता है।

(ख) विद्वानों के विवाद का कारण दूसरों में दोष निकालना है।

(ग) किसान पर गर्व करना उचित ही है, क्योंकि वे बहुत ही सादगीपूर्ण जीवन जीते है और दिन रात परिश्रम करके हम सबके लिए अन्न पैदा करते हैं।

(घ) गाय रूपी धन किसानों को प्राप्त है और गाय के दूध को अमृत समान माना गया है इसी कारण कहा गया है कि सुधा की धार किसान को सुलभ है।

(ङ) जिनके खेतों में अन्न है, वे सबसे ज्यादा संपन्न है।

(च) सच्चा राज्य हमारे कृषक करते हैं।

लिखित

1. (क) सही (ख) सही (ग) सही (घ) गलत (ङ) सही
2. (अ) कवि का मानना है कि किसान अगर बात-बात में ही त्यौहार जैसा माहौल बना लेते है और अपने पर गर्व करते है तो यह उचित है, उन्हें भला किसका डर है।

   (ब) जिनके खेतों में अन्न है, भला उनसे अधिक कौन संपन्न हो सकता है अर्थात किसानों से अधिक कोई संपन्न नहीं है क्योंकि उनके खेत अन्न से भरे पड़े है। वे अपनी पत्नियों संग खेतों में घूमते है और अन्न रूपी विश्व की संपति भरते है।

खेल शब्दों का

1. सुधा - अमृत, सोम खेत - क्षेत्र, बृक्षारण सागर - समुद्र, जलधि
   कृषक - किसान, श्रमिक पर्व - त्यौहार, उत्सव राजा - नरेश, नरपति
   अधिक - ज्यादा, बहुत
2. दाता - याचक पति - पत्नी सच्चा - झूठा संपन्न - असंपन्न
   राजा - रानी उचित - अनुचित
3. स्वयं करें।

पाठ - 6 साहसी सुनील

अभ्यास

बात-बात में

(क) माँ राहुल को बाढ़ पीड़ित लोगों के पास न जाने की हिदायत देती है।

(ख) प्रस्तुत पाठ में बाढ़ का वर्णन है।

(ग) प्रस्तुत पाठ में तीनो बच्चों के नाम राहुल सुमन व सुनील है।

(घ) युवती के वस्त्रों पर रेडक्रॉस चिह्न लगा हुआ था।

(ङ) सुनील को उसके घर रेडक्रॉस के सदस्य लेकर आये थे।

लिखित

1. (क) चार (ख) बाढ़ पीड़ितों की (ग) रेडक्रॉस की
2. (क) मास्टर जी ने बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए कहा कि खाना, कपड़ा, मकान सभी चीजों की जरूरत होगी और सरकार प्रबंध कर रही है। कैंप लगवा दिए हैं।

(ख) रेडक्रॉस सोसाइटी के प्रमुख सिद्धांत प्राकृतिक आपदा में फंसे लोगों की मदद करना।

(ग) सुनील बाढ़ पीड़ित लोगों की सहायता करने के लिए चला गया था।

(घ) जिसके कपडों पर रेडक्रॉस का चिह्न था, वह युवती माँ को बताती है कि उनका बेटा बाढ़ पीड़ितों को बचाते-बचाते स्वयं डूबने से बचा है।

(ङ) पूरा राष्ट्र बाढ़ पीड़ितों की मदद में कपडें, पैसे, खाने की चीजे देकर अपना योगदान दे सकता है।

(च) राहुल बाढ़ पीड़ितों की मदद वालंटियर बनकर करना चाहता है।

(छ) सुनील ने अपने प्राणों की चिंता किए बिना लोगों को बचाया। उसने बहादुरी दिखाते हुए बहुत से लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुँचाया।

(ज) बाढ़ आने पर मनुष्य को बहुत ही भयवाह स्थितियों का सामना करना पड़ता है। गाँव के गाँव पानी में डूब जाते हैं मनुष्य बेचारा अपनी जान बचाने के लिए इधर से उधर भटकता फिरता है। चारों तरफ हाहाकार मच जाता है।

(झ) बाढ़ पीड़ितों को बचाते बचाते वह पानी में बह गया था परन्तु कुछ लोगों ने उसे बचा लिया था लेकिन कठिन परिश्रम के कारण वह बेहोश हो गया था।

खेल शब्दों का

(क) तुम यहाँ नहीं रुक सकते।

(ख) यह कोट अच्छा नहीं सिला है।

(ग) यूँ डरकर बैठ जाना ठीक नहीं है।

(घ) कृपया ऊँचा मत बोलिए।

(ङ) गाँव में बाढ़ नहीं आई हुई थी।

2. गाँव - ग्राम, देहात माता - माँ जननी नदी - सरिता, तटिनी
   भाई - भैया, भ्राता संसार - जगत, विश्व भगवान - प्रभु, ईश्वर
3. मधुर - मधुरता साहसी - साहस उत्सुक - उत्सुकता पुरुष - पौरुष
   सेवक - सेवा मनुष्य - मनुष्यता मानव - मानवता भाईचारा - भ्राता
   माता - ममता

पाठ - 7 जगदीशचंद्र बसु

अभ्यास

बात-बात में

(क) रेडियो का आविष्कार मुगालिमो मारकोनी को घोषित किया गया।

(ख) जगदीशचंद्र के दो निबंध इग्लैंड की रॉयल सोसाइटी द्वारा प्रशासित हुए।

(ग) कलकत्ता के सेंट जेवियर कालेज से जगदीशचंद्र ने उच्च शिक्षा प्राप्त की।

(घ) जगदीशचंद्र के पिताजी का नाम भगवानचंद्र था।

(ङ) 'रेसोनेंट रिकॉर्डर' यंत्र के द्वारा आचार्य बसु ने यह सिद्ध किया कि पेड़ पौधे भी हमारी तरह साँस लेते है भोजन करते हैं।

लिखित

1. (क) इग्लैंड (ख) भौतिक विज्ञान (ग) अध्यापक
2. (क) इग्लैंड के कैमिब्रज क्राइस्ट कालेज लंदन के अध्यापक जगदीशचंद्र की प्रतिभा और पढने की लगन देखकर बहुत प्रभावित थे।

   (ख) कालेज में नियम यह था यदि कोई भारतीय अध्यापक काम करता तो, उसे अंग्रेज अध्यापक के वेतन का दो तिहाई भाग ही मिलता था।

   (ग) जगदीश चंद्र बसु चाहते थे कि भारत में भी वैज्ञानिक अनुसंधान विदेशों की ही भाँति हो उनकी संस्था बसु विज्ञान मंदिर उनकी इसी कल्पना का एक प्रति रूप थी अपनी जीवन भर की कमाई को आचार्य बसु इसी मंदिर को चढ़ा गए थे।

   (घ) 1917 में आचार्य बसु ने विज्ञान मंदिर खोला, जहां कि अनुसंधानों का अध्ययन तथा परीक्षण-हो सके।

   (ङ) भगवानचंद्र जी धार्मिक विचारों वाले व्यक्ति थे। वह बहुत सादा जीवन बिताते थे। इसलिए वह यही चाहते थे कि उनका बेटा जगदीशचंद्र भी सादा जीवन बिताने वाला किन्तु उच्च विचारों वाला व्यक्ति बने।

   (च) इग्लैंड पहुँचकर बसु महोदय ने अपनी सूचना का दावा प्रस्तुत करके प्रयोग को वैज्ञानिक के समक्ष प्रस्तुत किया। ये प्रयोग इतने सफल हुए की पश्चिम के वैज्ञानिक दंग रह गए और उन्हें बसु महोदय को महान आविष्कारक मानना ही पड़ा।

   (छ) जगदीशचंद्र ने प्रेसिडेंसी कॉलेज के अनुचित नियम का विरोध तीन साल बिना वेतन के काम करके दिया।

   (ज) जगदीशचंद्र को गाँव के ही स्कूल में पढने को भेजा गया। इसके बाद वे कोलकाता गए और वहाँ सेंट जेवियर कॉलेज में उच्च शिक्षा प्राप्त करने लगे यहाँ से उन्होंने हाई स्कूल पास किया और कोलकत्ता विश्वविद्यालय से बी.ए. की परीक्षा पास की।

   (झ) जगदीशचंद्र की माता जी ने उनके व्यक्तित्व के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया। वे जगदीशचंद्र को पुराणों की कहानियाँ सुनाती और देश प्रेम की अनेक बातें बताती इन सब बातों का जगदीशचंद्र के मन पर बहुत गहरा प्रभाव पड़ने लगा था।

   (ञ) आचार्य बसु बेतार के तार पर यानी रेडियो पर अनुसंधान कर रहे थे इसी समय बेतार के तार पर ही इटली का वैज्ञानिक मुगलिमो मारकोनी भी खोज कर रहा था आचार्य बसु ने मारकोनी से पहले ही इस आविष्कार में सफलता प्राप्त कर ली उन्होंने इसका प्रदर्शन भी कलकत्ते के इस समय के गवर्नर के सामने किया, पर किसी भी ओर से इस खोज के लिए कोई महत्व नहीं दिया गया आचार्य बसु ने अपने इस आविष्कार को रजिस्टर भी कराना चाहा पर सफलता न मिली।

खेल शब्दों का

1. (क) प्रोत्साहित - रमन आजकल गरीब बच्चों के लिए पढाई का इंतजाम करने के साथ साथ उन्हें पढने के लिए प्रोत्साहित भी कर रहा था।
   उत्साहित - टीम के सभी खिलाडी फाइनल मैच के लिए बहुत उत्साहित है।
   (ख) प्रशंसा (तारीफ) - मोहन पूरे विद्यालय में प्रथम आया है। सब जगह उसकी प्रशंसा हो रही है।
   अनुशंसा (सिफारिश) - टीम के कोच ने राजू को टीम में शामिल करने की अनुशंसा की।
   (ग) बेटा (पुत्र) - सोहन का बेटा पढ़ लिख कर डॉक्टर बन चुका है।
   लड़का (बालक) -डी.ए.वी. स्कूल का एक लड़का बेडमिंटन का चौम्पियन है।
   (घ) पत्नी (वधु) - महेश की पत्नी बहुत ही धार्मिक महिला है।
   नारी (स्त्री) - हम सभी को नारी का सम्मान करना चाहिए।

3. अध्ययन पवित्र शिक्षा वैज्ञानिक स्थापित आविष्कार
   कर्मचारी परिणाम कलक्टर

3. (क) इच्छा वाचक वाक्य
   (ख) निषेध वाचक वाक्य
   (ग) निषेध वाचक वाक्य
   (घ) संकेतक वाचक वाक्य
   (ङ) विस्मय वाचक वाक्य
   (च) संदेह वाचक वाक्य
   (छ) विस्मय वाचक वाक्य
   (ज) विधान वाचक वाक्य

पाठ - 8 वेनका की चिट्ठी

अभ्यास

बात-बात में

(क) वेनका के मालिक का आलियाखिन नाम था और वह पेशे से मोची था।
(ख) वेनका आपने दादा जी को पत्र लिख रहा था।
(ग) वेनका को मालिक के बगीचे से ककड़ी चुराने के लिए दूसरे मोचियों द्वारा विवश किया जाता था।
(घ) इस पाठ में नौ वर्षीय बालक का नाम वेनका था।
(ङ) आलियाखिन और उसकी पत्नी सुनने के लिए गिरजाघर गए।

लिखित

1. (क) नौ वर्ष (ख) कांस्टेनटाइन (ग) वायलिन
2. (क) वह अपने दादा जी के साथ क्रिसमस पेड़ लाने जंगल जाता था। चारों तरफ बर्फ होती थी जब कभी वह बर्फ में लुढ़क जाता तो दादा जी ठहाका

लगाकर हँसते और फिर लपककर गोद में उठा लेते थे। दादा जी क्रिसमस पेड़ काटते-काटते वेनका को खूब हँसाते।

(ख) क्योंकि मालिक के बेटे के पालने को हिलाते-हिलाते उसकी झपकी लग गयी।

(ग) मछली को पूंछ की तरफ से साफ करने पर मालकिन ने मछली वेनका के मुँह पर दे मारी।

(घ) वेनका ने अपने दादा जी को मास्को के बारे में लिखा कि मास्को बड़ा शहर है यहाँ सब प्रतिष्ठित लोगों के घर है फिर भी सब सज्जन और सौम्य नहीं यहाँ बहुत घोड़े है और शायद एक भी भेड नहीं यहाँ पर किसी को भी समूह गान में गाने की आज्ञा नहीं है यहाँ बच्चे वायलन लेकर दिनभर नहीं घूमते।

(ङ) वेनका ने दरवाजे और खिड़की को ओर विस्फारित नजर से ताका क्योंकि उसे आभास हो रहा था कि कोई उसे देख रहा है।

(च) वेनका ने दादा जी को मालिक से सुनहरा अखरोट लेकर हरे बक्से में रखने के लिए कहा।

(छ) वेनका को दादा जी घर और उसके मालिक के घर में यह अंतर महसूस हुआ की उसके मालिक के घर में उससे दिनभर काम लिया जाता है। और खाने को थोड़ी सी रोटी मिलती है। वहाँ उसे मारा पीटा भी जाता है परंतु दादाजी के घर में वह बहुत खुश रहता था। दादा जी उससे बहुत प्यार करते थे।

(ज) वेनका ने जब खिड़की से बाहर देखा तो रात अँधेरी थी, फिर भी घरों की सफेद छते चाँदी में चमकते पेड़ और बर्फ की फुहारें हो रही थीं।

(झ) आलियाखिन और उसकी पत्नी गिरजाघर जाने के लिए तैयार हो रहे थे।

खेल शब्दों का

1.	अधिक	अधिकतर	अधिकतम
	कठिन	कठिनतर	कठिनतम
	महान	महानतर	महानतम
	विशाल	विशालतर	विशालतम
	सुंदर	अति सुंदर	सुंदरतम
2.	दिखावा	खा	
	बलवान	विद्वान	
	नौकरानी	देवरानी	
	पढाई	लिखाई	
	मासिक	दैनिक	
3.	अशुद्ध	शुद्ध	
	श्रेष्ट	श्रेष्ठ	
	चरन	चरण	
	अनूभव	अनुभव	
	औखली	ओखली	

प्रशन	प्रश्न
छमता	क्षमता
चांदी	चाँदी
छमा	क्षमा

पाठ - 9 पंच परमेश्वर

अभ्यास

बात-बात में

(क) मित्रता का मूलमंत्र विचारों का मिलना है।
(ख) जुम्मन शेख अपनी अनमोल विद्या से सबके आदर के पात्र बन गए है।
(ग) बूढी खाला ने अलगू चौधरी को सरपंच नियुक्त किया।
(घ) अलगू चौधरी ने समझू साहू को बैल बेचा।
(ङ) खाला ने जुम्मन को माहवार खर्च देने को कहा।

लिखित

1. (क) हज (ख) समझू के (ग) बैल
2. (क) जुम्मन ने खाला से बड़े लंबे-चौड़े वादे करके जमीन अपने नाम करवा ली।
   (ख) खाला और जुम्मन के झगडे में अलगू सरपंच इसलिए नहीं बनना चाहता था क्योंकि जुम्मन और अलगू में गहरी मित्रता थी।
   (ग) समझू साहू इक्का गाडी हाँकते थे। गाँव से गुड घी लादकर मंडी ले जाते मंडी से तेल नमक भर लाते और गाँव में बेचते।
   (घ) जब साहूजी रोते बिलकते घर पहुँचे और रुपए व तेल के कनस्तर गायब होने की बात बताई तो सहुआइन ने अगलू को गालियाँ देने लगी।
   (ङ) जुम्मन ने खाला को माहवार खर्च न देने का कारण बताया कि जमीन जायदाद से इतना मुनाफा नहीं होता कि माहवार खर्च दे सकूँ।
   (च) जब अगलू सरपंच बनने के लिए टाल-मटोल करने लगे तो खाला ने उनसे क्या कहा "बेटा क्या बिगाड़ के डर से ईमान की बात न कहोगे।
   (छ) अलगू ने फैसला सुनाया - "जुम्मन शेख पंचों ने इस मामले पर विचार किया उन्हें यह नीति संगत मालूम होता है कि खालाजान को माहवार खर्च दिया जाए। हमारा विचार है कि खाला की जायदाद से इतना मुनाफा अवश्य होता है कि माहवार खर्च दिया जा सके। बस यही हमारा फैसला है। अगर जुम्मन को खर्च देना मंजूर न हो तो हिब्बानामा रद्द समझा जाए।
   (ज) बैल गिरकर इसलिए मर गया क्योंकि बहुत कमजोर हो गया था उससे दिन भर काम लिया जाता था और खाने को केवल थोडा सा सूखा भूसा दिया जाता था।
   (झ) जुम्मन ने फैसले सुनाया -"अगलू चौधरी और समझू साहू पंचों ने तुम्हारे मामले पर अच्छी तरह विचार किया समझू को उचित है कि बैल का पूरा दाम दे जिस वक्त उन्होंने बैल लिया उसे कोई बीमारी न थी अगर उसी

समय दाम दे दिए जाते तो आज समझू इसे फेर लेने का आग्रह न करते बैल की मृत्यु केवल इस कारण हुई कि उससे बड़ा कठिन परिश्रम लिया गया और उसके दाने चारे का कोई अच्छा प्रबंध न किया गया।

खेल शब्दों का

1. (क) जल्दी - जल्दी (ख) ध्यान (ग) भूख से कम (घ) कब तक
2. कौवा - काक गाँव - ग्राम घर - गृह कपड़ा - वस्त्र कोयल - कोकिला तोता - शुक
3. (क) मुँह खोलना - हमें हमेशा सोच समझ कर ही मुँह खोलना चाहिए।
   (ख) कलेजा धक-धक करना - रेल दुर्घटना की खबर सुनते ही मेरा कलेजा धक-धक करने लगा।
   (ग) कब्र में पाँव लटकना - सोहन ने अपनी दादी को ताना मारते हुए कहा कब्र में पाँव लटक रहे हैं फिर भी पैसा-पैसा करती रहती हैं।
   (घ) जड़ खोदना - इतने दिनों बाद भी सोहन पुरानी यादों की जड़ खोदने लग गया।
4. कबूल - स्वीकार दखल - प्रवेश करना मिल्कियत - संपति, जायदाद खातिरदारी - आवभगत अख्तियार - अधिकार बेखटके - निडर

पाठ - 10 सूरदास के पद

अभ्यास

बात-बात में

(क) माता यशोदा बार-बार कृष्ण को बुला रही है।
(ख) आँगन में कान्हा किलकारी हुए घुटनों के बल चलते आते हैं।
(ग) ईश्वर की कृपा से लंगड़ा व्यक्ति भी पर्वत को पार कर लेता है।
(घ) सूरदास बार-बार ईश्वर की वंदना कर रहे हैं।
(ङ) स्वयं करें।

लिखित

1. (क) सूरदास (ख) कृष्ण के
2. (क) हँसते हुए श्रीकृष्ण के छोटे-छोटे दो दांत बहुत सुंदर लगते है।
   (ख) माता यशोदा कृष्ण की बाल सुलभ लीलाएँ देख बार-बार नंदबाबा को बुला रही हैं।
   (ग) अपनी परछाई को श्रीकृष्ण देखकर पकड़ने की कोशिश कर रहे थे, क्योंकि वे अपनी परछाई से खेल रहे हैं।
   (घ) सूरदास का कृष्ण के प्रति अगाध प्रेम था इस पद में वे कृष्ण की महिमा का गुणगान करते हुए कह रहे है कि प्रभु की कृपा से लंगड़ा व्यक्ति भी पर्वत पार कर सकता है बहरा सुन सकता है गूंगा बोल सकता है गरीब के सर पर ताज सज सकता है।

(ङ) दूसरें पद में कृष्ण की बाल सुलभ लीलाओं का वर्णन है बाल कृष्ण नंद बाबा के मणि युक्त आँगन में घुटने से चलते हुए घूम रहे है अपनी परछाई को देख उसे पकड़ने की कोशिश कर रहे हैं और अपने दो छोटे-छोटे दांतों को दिखाकर हंस रहे है। यशोदा मैया उनकी इस प्यारी छवि को देख बार-बार नंद बाबा को बुला रही हैं।

(च) प्रभु सभी के कष्टों को हरते है और अपनी करुणा बरसाते हैं, इसलिए प्रभु को करुणामय कहा जाता है।

(छ) सूरदास जी ने श्रीकृष्ण की महिमा का वर्णन करते हुए कहा है कि उनकी कृपा से लंगड़े व्यक्ति पर्वत पार कर सकते है गूंगे बोल सकते हैं बहरे सुन सकते हैं और गरीब व्यक्ति भी धनवान बन सकता है।

(ज) माता यशोदा अपने आँचल से ढककर श्रीकृष्ण को दूध पिलाती हैं।

(झ) कबहूँ निरखि हरि आपु छाहाँ-कौ कर सौ पकरन चाहत,
किलकि हँसत राजति द्वैं- दतिया पुनि-पुनि तिहिं अवगाहत

(ञ) जिसकी कृपा से लंगड़ा व्यक्ति भी पर्वत पार कर लेता है अंधे को सबकुछ दिखने लगता है बहरे सुनने लगते है गूंगे बोलने लगते है और गरीब के सिर पर ताज सज जाता है।

खेल शब्दों का

1. राजेंद्र - राज + इंद्र
   मतानुसार - मत + अनुसार
   यथेष्ट - यथा + इष्ट

अभ्यास प्रश्न पत्र - 1

1. (क) सोना (ख) मनुष्यता (ग) संत (घ) समय (ङ) बैल
2. (क) स्वयं करें।
   (ख) बरसों की टूटी फूटी बातें और बिखरे हुए गाने सड़क की धूल के साथ धूल बन गई।
   (ग) नए समाज का विकास ही सभी धर्मो का ध्येय है और मनुष्यता को सबसे बड़ा धर्म कहा गया है।
   (घ) बूढ़ी खाला ने अलगू चौधरी को सरपंच नियुक्त किया।
3. स्वयं करें।
4. करके मीन-मेख सब ओर,
   किया करें बुधवाद कठोर,
   शाखामयी बुद्धि तजकर वे मूलधर्म धरते है।
   हम राज्य लिए मरते हैं।
5. | विशेषण | विशेष्य |
   |---|---|
   | लाल | गाल |
   | नए | साल |
   | फटे | जूते |

तेजी से घुड़सवार
बड़ी मेज

6. (क) तुम यहाँ नहीं रुक सकते।
(ख) यह कोट अच्छा नहीं सिला है।
(ग) यूँ डरकर बैठ जाना ठीक नहीं है।
(घ) कृपया ऊँचा मत बोलिए।
(ङ) गाँव में बाढ़ नहीं आई हुई थी।

7. अधययन - अध्ययन पवितर - पवित्र शिछा - शिक्षा
विज्ञानिक - वैज्ञानिक सथापित - स्थापित अविश्कार - आविष्कार
क्रमचारी - कर्मचारी परीनाम - परिणाम कलकटर - कलक्टर

8. स्वयं करें।

पाठ - 11 क्रिसमस का त्यौहार

अभ्यास

बात-बात में

(क) ईसा मसीह अनुयायियों को ईसाई कहते है।
(ख) येहूदियों की गणना की राजाज्ञा रोम के सम्राट सजिर आगस्टस ने निकाली।
(ग) ईसाई धर्म के संस्थापक ईसा मसीह थे।
(घ) क्रिसमस तरु क्रिसमस के त्यौहार पर सजाया जाता है।
(ङ) जोसेफ और मेरी गडरिया थे।

लिखित

1. (क) बेथलहम (ख) रोम का (ग) 25 दिसंबर को

2. (क) ईसा मसीह का जन्म पचीस दिसंबर को बेथलहम में हुआ था।
(ख) जोसेफ और मेरी जीसस के माता-पिता थे।
(ग) सम्राट साजिर आगस्टस ने एक राजाज्ञा निकाली कि साम्राज्य में रहने वाले सभी यहूदियों की गणना की जाएगी।
(घ) क्रिसमस त्यौहार के ठीक एक सप्ताह के बाद नववर्ष का आगमन होता है।
(ङ) पाठ के अनुसार नागालैण्ड की विशेषता यह है कि यहाँ ईसाई धर्म के अनुयायियों की जनसंख्या सबसे अधिक है।
(च) बेथलहम शहर आजकल इजरायल में स्थित है और प्राचीन काल में यह शहर रोम में बसा था।
(छ) धर्मशालाएँ और दूसरें आवास आंगतुको से भर गए थे। इसलिए मेरी दंपत्ति को रात में एक अस्तबल में ठहरना पड़ा।
(ज) क्रिसमस का त्यौहार पचीस दिसंबर को मनाया जाता है। इसी दिन एक अस्तबल में शिशु जीसस का जन्म हुआ प्रभु जीसस के जन्म की पवित्र घटना की स्मृति में ही यह त्यौहार प्रतिवर्ष मनाया जाता है।
(झ) जोसेफ और मेरी दंपति बेथलहम जनगणना में सम्मिलित होने गए।

(ञ) क्रिसमस ईसाईयों का पवित्र त्यौहार है यह त्यौहार पचीस दिसंबर को बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है। इस दिन गिरजाघरों की सजावट और चहल-पहल देखते ही बनती है श्रदालु ईसाई बाल-वृद्ध नर-नारी बड़ी संख्या में प्रभु ईसा मसीह की प्रार्थना करते हैं।

खेल शब्दों का

1. (क) जो दूसरों के लिए जीता है, वह महान है। — सरल वाक्य
   (ख) मेरे पिताजी ने वर्तिका को भी संस्कृत पढाई। — सरल वाक्य
   (ग) मैंने कहा कि मुझे आज विद्यालय नहीं जाना। — मिश्रित वाक्य
   (घ) तुम्हारे घर में आते ही वर्षा शुरू हो गई। — मिश्रित वाक्य
   (ङ) मैं बाजार गया और मैंने केले खरीदे। — संयुक्त वाक्य
   (च) राधिका आई, किन्तु संजना चली गई। — संयुक्त वाक्य
   (छ) रिमझिम ने गीत गाया और जतिन ने चित्र बनाया। — संयुक्त वाक्य
2. (क) जले पर नमक छिड़कना।
   (ख) ईद का चाँद होना।
   (ग) अपने मुँह मिया मिठू बनना।
   (घ) अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारना।
3. (क) गिरजाघर = ग् + इ + र् + अ + ज् + आ + घ् + अ + र् + अ
   (ख) अनुयायी = अ + न् + उ + य् + आ + य् + ई
   (ग) राजाज्ञा = र् + आ + ज् + आ + ज्ञ् + आ
   (घ) देवदूत = द् + ए + व् + अ + द् + ऊ + त् + अ

पाठ - 12 विषम ज़्वर

अभ्यास

बात-बात में

(क) अंत में दीनानाथ ने मिठाइयाँ खरीदीं।
(ख) दीनानाथ अपने वेतन की पूरी रकम पत्नी के हाथ दे देता था।
(ग) दीनानाथ के बच्चे छह महीने से फिल्म देखने के लिए मचल रहे थे।
(घ) दीनानाथ को कुल 109 रुपए मिले थे।
(ङ) दीनानाथ का वेतन 100 था।

लिखित

1. (क) नौ (ख) रेल का इंजन
2. (क) इस पाठ का नाम "विषम ज्वर" इसलिए रखा गया क्योंकि ऊपरी आमदनी एक ज्वर के समान ही होती है जब व्यक्ति इस धुन में रम जाता है तो फिर वह अन्य कुछ भी सोच समझ नहीं पाता।
   (ख) छोटा लड़का पड़ोसियों के घर जाता-आता और तरह-तरह की चीजें देख आता, फिर अपने यहाँ आकर उन चीजों के लिए मचलता।

(ग) दीनानाथ को अतिरिक्त वेतन पिछले महीने घंटा-घंटा भर ज्यादा कार्य करने पर मिला था।

(घ) दीनानाथ होटल जाकर बिना खाना खाए ही वापस आ गया क्योंकि उसे उसके बेटे की याद आ गई थी।

(ङ) जब दीनानाथ अतिरिक्त नौ रुपए के उपयोग के बारे में सोच समझकर परेशान हो गया, तब उसने बच्चों के लिए बहुत सी मिठाई खरीदी और घर पहुँच गया। सोने के लिए बिस्तर पर जाते हुए उसने पत्नी से कहा कि अब कभी शाम को दफ्तर में नहीं रुकेगा। इस प्रकार उसका "नौ रुपए का ज्वर" उतर गया।

(च) दीनानाथ ने सोचा कि आज वह घर में खाना नहीं खाएगा पत्नी और बच्चों को साथ लेकर होटल में जाकर खाएगा और फिर कोई बढ़िया सी फिल्म भी देखी जाएगी रातभर सभी मिलकर मौज मनाएंगे। इस तरह नौ रुपयों का भरपूर सदुपयोग होगा।

(छ) एक नए विचार ने दीनानाथ को झनझना दिया - "पिछले दस साल से मैंने एक भी फिल्म नहीं देखी क्यों भला? बच्चे और उनकी माँ ने तो भी पिछले ही साल पड़ोसी परिवार के साथ जाकर सिनेमा देखा है। एक मैं हूँ कि जिसकी जिंदगी में कोई बदलाव ही नहीं न आनंद न उल्लास।

(ज) सेठ को देखकर दीनानाथ के मन में लालसा पनपती थी कि शंभु की अम्मा अच्छा पहने ओढे अच्छा खाए पीए बच्चे किलकारियां मारते फिरे खिलौनों का ढेर लगा रहे उनके लिए।

(झ) अतिरिक्त रुपए मिलने पर दीनानाथ ने पत्नी के बारे में सोचा कि "सौ रुपए तो में शंभु की अम्मा के हवाले कर दूँगा। मगर इन बाकी नौ रुपए का क्या होगा! उसे ख्याल आया कि शंभु की अम्मा के पास ठिकाने की कोई साड़ी नहीं है। बेचारी वही साडी घर में पहनती है, वही बाहर पहनती है नौ रुपए में अच्छी साडी आ जाएगी, कितनी खुश होगी शंभु की माँ।

(ञ) दीनानाथ ने स्वयं पर पैसे खर्च करने के लिए सोचा कि किसी होटल में खाना खाया जाए, कोई अच्छी सी फिल्म देखी जाए। परन्तु दीनानाथ चाहते हुई भी अपने ऊपर पैसे खर्च नहीं कर सका।

खेल शब्दों का

1. (क) शोक - (किसी की मृत्यु पर दु:ख) - पिता की मृत्यु के बाद पुत्र शोक में डूबा हुआ था।
   खेद - (पश्चाताप की भावना सहित दु:ख) - उसने अपनी गलती के लिए माफी माँगी और खेद व्यक्त किया।
   (ख) पुत्र - (बेटा) - मेरे पुत्र ने आज पहली कक्षा में प्रवेश लिया है।
   लड़का - (कोई भी लड़का) - वह लड़का बहुत शरारती है लेकिन उसका दिल अच्छा है।

(ग) कठिन - (मुश्किल) - यह काम बहुत कठिन है इसे करने में समय लगेगा।
कठोर - (कड़ा) - उसने कठोर परिश्रम करके सफलता प्राप्त की।

(घ) अगम - (जहाँ पंहुचा न जा सके) - यह पहाड़ी रास्ता बहुत अगम है, इसे पार करना मुश्किल है।
दुर्गम - (जहाँ कठिनाई से पहुँचा जा सके) - वह जंगल बहुत दुर्गम है, वहाँ जाना खतरे से भरा है।

2. (क) दीनानाथ को नौ रुपए वेतन से अधिक मिले।
(ख) वहाँ पर सब प्रकार की वस्तु मिलती है।
(ग) हमारी माताजी विद्वान है।

3. (क) कपड़ा - कपडे साडी - साड़ियाँ मिठाई - मिठाइयां
वस्तु - वस्तुएँ आत्मा - आत्माएँ रूपया - रुपए ऋतु - ऋतुएँ
खिलौना - खिलौने पुत्र - पुत्रों लड़का - लड़के
आदत - आदतें बच्चा - बच्चे

पाठ - 13 चाँद सुलताना

अभ्यास

बात-बात में

(क) चाँद बीबी के पिता का नाम हुसैन निजाम शाह और पति का नाम आदिल शाह था।
(ख) मुराद के सैनिकों ने सुरंग बनाकर चाँद बीबी के किले की दीवार उड़ा दी।
(ग) चाँद बीवी के राज्य का नाम अहमद नगर था।
(घ) अकबर के साथ आत्म समर्पण दक्खन के खानदेश राज्य ने किया।
(ङ) "नदिरत उल जमानी" चाँद बीबी को कहा था।

लिखित

1. (क) मुराद (ख) आदिल शाह (ग) 1591

2. (क) जब तक अकबर ने चाँद बीबी के एक एक हत्यारे को पकड़कर मरवा नहीं दिया तब तक उसे चौन नहीं मिला कहते है कि जब उसे समाचार दिया गया कि चाँद बीबी के हत्यारे की बोटी-बोटी काट दी गई है तभी उसने संतोष की साँस ली।

(ख) चाँद बीबी की स्थिति विकट इसलिए हो गई थी, क्योंकि लड़ाई के दौरान उसका सारा गोला बारूद समाप्त हो गया था रसद मिलने से सारे रास्ते बंद हो गए थे और कही से कोई सहायता नहीं मिल रही थी।

(ग) चाँद बीबी ने सैनेको को इकट्ठा करके कहा - "यह हम सबके मान-अपमान और आजादी-गुलामी का प्रश्न है। मेरे साथ आओ और देश के लिए बहादुरी से युद्ध करो।"

(घ) चाँद बीबी का सारा गोला बारूद खत्म हो गया था और कही से कोई सहायता नहीं मिल पा रही थी। इसलिए उन्होंने सोने और चाँदी के गोले बनवाये।

(ङ) चाँद बीबी इतनी चतुर साहसी और बहादुर थी कि यदि उसे चाँद बीबी ना कहकर चाँद सुलताना कहा जाए तो कोई अतिश्योक्ति न होगी। उसने जिस वीरता के साथ अकबर की विशाल सेना का सामना किया, उसकी मिसाल दुनियाँ में बहुत कम मिलती है।

(च) चाँद बीबी ने अपनी चतुराई और राजनीति से दरबार के सभी अमीरों को खुश और संतुष्ट कर दिया। उन्होंने खुद ही इतनी अच्छी मोर्चाबंदी की कि अहमदनगर का मोर्चा पूरी तरह सुदृढ़-बन गया।

(छ) चाँद बीबी किले की गिरी हुई दीवार पर स्वयं आकर खड़ी हो गई। उन्होंने लोगों को लालच देकर और डरा धमका कर इतनी चतुराई से काम लिया की स्त्री और पुरुष सभी मिलकर काम में जुट गए कुछ ही देर में किले की दीवार फिर से खड़ी कर दी गई।

(ज) अहमदनगर की जनता में फूट पड़ गयी थी। इस विकट स्थिति का समाधान चाँद बीबी ने बड़ी ही चतुराई और समझदारी से निकाला। उन्होंने समझा बुझाकर सबको एक साथ कर दिया।

(झ) अकबर के समय दक्षिण के चार बड़े राज्य थे - अहमदनगर, खानदेश, बीजापुर, गोलकुंडा।

(ञ) राजपूतनियाँ सैनिकों से कहती थीं - जाओ, देश के लिए बहादुरी से युद्ध करो। चाँद बीबी उनसे एक कदम आगे निकल गई उन्होंने सैनिकों से कहा - आओ मेरे साथ और देश के लिए बहादुरी से युद्ध करो।

खेल शब्दों का

1. सीधी - उलटी खुशी - गम देशभक्ति - देशद्रोह
   सुदृढ़ - निर्बल वीर - कायर परास्त - सफल
2. (क) भी (ख) मात्र (ग) ही (घ) भी (ङ) भी (च) भी (छ) केवल (ज) तो
3. (क) सैनिक जान हथेली पर रखकर देश की सेवा करते हैं।
   (ख) देश की महिलाएं अब पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रही हैं।
   (ग) समय रहते ही महेश की आँख खुल गई वरना उसके अपने ही उसे बर्बाद कर देते।
   (घ) चाँद बीबी ने युद्ध के लिए कमर कस ली।

पाठ - 14 एक पंखयुक्त ट्रेजेडी

अभ्यास

बात-बात में

(क) मुर्गे का हृदय जलन से भर गया और उसने जोर से पंख फड़फड़ाकर अपने रोष का परिचय दिया।

(ख) काले मुर्गे की पीठ पर तीसरी चोंच का आघात सफेद मुर्गे का था।

(ग) एक दिन सैर करके लौटे प्रोफेसर साहब अपने साथ नीले पंख वाली सुंदर सी मुर्गी ले आए।

(घ) प्रोफेसर साहब के लॉन में मुर्गा दिनभर चींटी मटर तो कुछ भी मिलता निगलता रहता था।

(ङ) मुर्गे के वशीभूत होकर मुर्गी उसकी चोंच में चोंच भिड़ाने लगी।

लिखित

1. (क) प्रोफेसर साहब (ख) सफेद
2. (क) सफेद मुर्गे के प्रति काले मुर्गे का व्यवहार बहुत ही उपेक्षित था वह उसे हीन दृष्टि से देखता रहता था और हमेशा उससे लड़ता रहता था।

(ख) काला मुर्गा किसी दूसरे मुर्गे को लॉन में प्रवेश नहीं करने देता था क्योंकि वह इस पर अपना हक समझता था।

(ग) जब मुर्गी को मुर्गे के निकट छोड़ा गया तो उसकी एक टांग ऊपर उठ गयी और कलगीदार गर्दन आह्लाद से हिलने लगी। वह मुर्गी के चारों ओर चक्कर काटने लगा।

(घ) उसकी माँ प्रोफेसर साहब के घर में कई बार अंडो पर बैठी थी और उन अंडो से जिस परिवार की स्थापना हुई, वह इस समय उसका एक मात्र अवशेष था।

(ङ) पहले उसने एक बड़े घेरे में मुर्गी की परिक्रमा की। फिर दूसरी परिक्रमा में उसने घेरा पहले से छोटा कर दिया। तीसरी परिक्रमा उसने बहुत निकट से ली।

(च) मुर्गी को मनाने के लिए मुर्गे ने मटर का एक दाना मुँह में लिया और लय के साथ गरदन हिलाता हुआ मुर्गी की ओर बढ़ा। मुर्गी के निकट पहुँचकर जब उसने मटर का दाना उसकी ओर बढ़ाया।

(छ) मुर्गे के पंखो के नीचे, गर्दन के चारों ओर तथा टांगो के ऊपरी भाग में मांस की मोटी मोटी तहें थीं कह सकते है कि मुर्गे का स्वास्थ्य असाधारण रूप से अच्छा था।

(ज) मुर्गी घर से बाहर निकलकर इसलिए नहीं गई क्योंकि वह प्रोफेसर साहब के घर लंच के लिए आए मेहमानों की प्लेटों में परोसी जा चुकी थी।

(झ) मुर्गी ने फिर विपरीत दिशा में मुँह फेर लिया और अपनी निश्चित गति से उसी दिशा में चलने लगी मुर्गी के इस व्यवहार से मुर्गे ने अपने को अपमानित अनुभव किया।

(ञ) इस कहानी का मुख्य पात्र काला मुर्गा है क्योंकि पूरी कहानी उसके इर्द-गिर्द घूमती है।

(ट) मुर्गी ने उपेक्षापूर्वक अपनी चोंच फिरा ली व उड़कर दूर चली गई मुर्गे को उसकी ये अदा बहुत पसंद आई।

खेल शब्दों का

1. कॉपी, डॉल, डॉन, टॉफी, ट्रॉली
2. (क) सुरेश इस विद्यालय में पढ़ना चाहता है।
   (ख) क्या, काले मुर्गे को सफेद मुर्गे ने हरा दिया।
   (ग) हाय! वह मर गया।
   (घ) वह प्रतिदिन सैर को नहीं जाता।
3. (ख) माँ से सप्ताह में एक बार बाजार जाया जाता है।
   (ग) वंदना द्वारा अंगूठी खरीदी गई।
   (घ) अधिकारी द्वारा आदेश दिया जाता है।
   (ङ) मेरे द्वारा यह कहानी पढ़ी जाती है।

पाठ - 15 कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती

अभ्यास

बात-बात में

(क) असफलता को एक चुनौती के रूप में स्वीकार करना चाहिए।
(ख) दाना लेकर नन्ही चींटी चलती है।
(ग) कोशिश करने वालो की कभी हार नहीं होती।
(घ) लहरों से डरकर नौका पार नहीं होती।
(ङ) समुद्र के गहरे पानी में मोती आसानी से नहीं मिलते।

लिखित

1. (क) लहरों (ख) खाली
2. (क) गहरे पानी में मोती सहज ही नहीं मिलते क्योंकि गोताखोर भी जब पानी में डुबकी लगाता है तो बहुत बार खाली हाथ ही लौटकर आता है।
   (ख) चीटी के मन का विश्वास उसकी रगों में साहस भर देता है इसी कारण नन्ही चींटी को बार बार दीवार से गिरना नहीं अखरता वह पूरे उत्साह से अपना प्रयास जारी रखती है।
   (ग) प्रयत्न, प्रयास
   (घ) संघर्षों से डरकर मैदान छोड़कर इसलिए नहीं भागना चाहिए क्योंकि संघर्ष के बिना हम सफलता प्राप्त नहीं कर सकते बिना संघर्ष किए जग में जय-जयकार होना संभव नहीं।
   (ङ) गोताखोर को सागर से मोती तभी प्राप्त होते हैं, जब वह बार-बार प्रयास करता है।
   (च) मन का विश्वास रगों में साहस भरता है,
   चढ़कर गिरना, गिरकर चढ़ना न अखरता है।
   आखिर उसकी मेहनत बेकार नहीं होती,
   कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती।

(छ) असफलता को एक चुनौती के रूप में स्वीकार करते हुए हमे देखना चाहिए कि हमसे क्या गलती हुई कहाँ कमी रह गई और उसे किस प्रकार सुधारा जाए।

(ज) नन्ही चींटी अपने पर विश्वास करके बार-बार प्रयत्न करती है तब आखिर में उसकी मेहनत सफल होती है।

(झ) सफल होने तक कवि नींद-चैन त्यागने के लिए कह रहा है।

खेल शब्दों का

1.

विशेषण	विशेष्य	विशेषण	विशेष्य
बड़ा	पेड़	हरा	पत्ता
लाल	गेंद	नीला	कपड़ा
गहरा	सागर	ऊँची	मीनार

2. (क) सिपाही ने चोरों को मारा।
   (ख) बच्चे टी.वी. देख रहे हैं।
   (ग) पेड़ पर तोते बैठे हैं।
   (घ) गायक ने गीत गाए।
   (ङ) तुम्हारी बातें सुनते-सुनते मेरे कान पक गए।
3. (क) अमृत सुधा पीयूष
   (ख) पुत्र बेटा सुत
   (ग) सरस्वती भाषा वाणी
   (घ) अतिथि मेहमान आगंतुक
   (ङ) सिंधु सागर जलधि

पाठ - 16 काबुली वाला

अभ्यास

बात-बात में

(क) मिनी काबुली वाले की झोली में कातर दृष्टि से देखती है।

(ख) काबुली वाला मिनी को रोज पिस्ता बादाम देता था।

(ग) काबुली वाले का नाम रहमत था।

(घ) कागज पर रहमत के पास बच्ची के हाथ के पंजे की छाप थी।

(ङ) हर साल माघ महीने में लगभग रहमत अपने देश चला जाता था।

लिखित

1. (क) पाँच वर्ष (ख) रामपुरी रजाई
2. (क) जब काबुली वाला अपना मोटा घूंसा तानकर कहता -"हम ससुर को मारेगा।" तो मिनी इस बात को सुनकर खूब हँसती है।
   (ख) स्वयं करें।

(ग) मिनी के चिल्लाने पर ज्यों ही काबुली वाले ने हँसते हुए उसकी तरह मुँह फेरा और मेरे मकान की तरफ आने लगा, त्योंही वह डरकर भीतर की ओर भाग गई।

(घ) रहमत को सिपाही पकड़कर ले जा रहे थे क्योंकि एक आदमी ने रहमत से एक रामपुरी रजाई खरीदी थी। उसके कुछ रुपए उसकी तरफ बाकी थे जिन्हें उसने देने से इंकार कर दिया। बस इसी पर दोनों में बात बढ़ गई और रहमत ने छुरा निकालकर घोंप दिया।

(ङ) रहमत जब जेल से छूटकर मिनी से मिलने गया उस दिन मिनी के घर में उसकी शादी का आयोजन था।

(च) काबुली वाले से मिनी का प्रथम परिचय तब हुआ जब उसके पिता ने उसका डर दूर करने के लिए उसे काबुली वाले के पास बुलाया।

(छ) स्वयं करें।

(ज) काबुली वाले ने पिस्ता बादाम की रिश्वत दे-देकर मिनी के हृदय पर अपना अधिकार जमा लिया।

(झ) रहमत को घर के लिए पचास रुपए देने के बाद विवाह समारोह के कुछ अंगो में कटौती होने के बावजूद भी मिनी के पिता इसलिए संतुष्ट थे क्योंकि उन्हें महसूस हुआ कि एक अपूर्व मंगल प्रकाश से उनका वह शुभ उत्सव उज्ज्वल हो उठा।

(ञ) मिनी के पिता ने किशमिश बादाम के बदले काबुली वाले को अठन्नी दी थी। जिसे वह मिनी को ही दे गया था। मिनी की माँ मिनी से पूछ रही थी कि तूने यह अठन्नी कहाँ से पाई इसी प्रकार अठन्नी ने घर में उपद्रव खड़ा किया।

खेल शब्दों का

(ख) तपः + बल

(ग) मनः + रथ

(घ) रजः + गुण

(ङ) तेजः + मय

2. (क) गदा (ख) परिणाम (ग) दूत (घ) मूल्य (ङ) दशा

पाठ - 17 क्षमा

अभ्यास

बात-बात में

(क) पाठ के अनुसार पृथ्वी का नाम क्षमा है।

(ख) क्षमा की अवधारणा में प्रत्यक्ष व्यवहार का बड़ा महत्व है।

(ग) महात्मा गाँधी ने दुनिया को सत्याग्रह का अस्त्र दिया।

(घ) बिना किसी कारण सामूहिक नरसंहार विवेकहीनता का परिचायक है।

(ङ) पाप करने वालों को बहुत बड़ा आश्वासन है कि दयानिधि परमात्मा क्षमाशील है, वह हमको अवश्य क्षमादान देगा।

लिखित

1. (क) वशिष्ठ (ख) राष्ट्रपति (ग) प्रत्यक्ष
2. (क) लड़ाई-झगड़े की बुनियादी मनुष्य के हृदय में होती है।
   (ख) ईश्वर अथवा राष्टपति द्वारा दिए गए क्षमादान की विशेषता है की राष्ट्रपति हो अथवा परमेश्वर, जिनको क्षमादान देते है, उनके अपराधों या दुर्व्यवहार से व्यक्तिगत रूप से प्रत्यक्ष संबंधित नहीं होते जैसे युद्ध में हवाई जहाज से बम गिराने वाला उनको जानता भी नहीं जिन पर बम गिराता है फिर उनके प्रति क्रोध आवेश आदि मनोभावों का प्रश्न ही नहीं उठता।
   (ग) लेखक ने चंदन की विशेषता बताई है कि चंदन उस कुल्हाड़ी को भी सुगंधित बना देता है जो उसे काटती है।
   (घ) क्षमा ही समाज के लिया तारक मंत्र है।
   (ङ) द्वंद्व-सहिष्णुता अर्थात् परस्पर विरोधी बर्ताव मान अपमान को समान मानना सुख-दु:ख दोनों को सहज भाव से सहन कर लेना इसी का नाम द्वंद्व-सहिष्णुता है।
   (च) दयानिधि परमात्मा क्षमाशील है इसलिए बड़े-बड़े पापियों को यह आश्वासन है कि परमात्मा उन्हें क्षमादान करेगा।
   (छ) किसी को अगर फांसी की सजा मिली है तो राष्ट्रपति उसे क्षमादान दे सकते है क्योंकि संविधान ने उन्हें यह अधिकार दे रखा है।
   (ज) महात्मा गाँधी से पहले क्षमाशीलता के मूर्तरूप में हम ईसा मसीह को जानते है। सूली पर चढ़ाए जाते समय भी सूली देने वालों के लिए क्षमादान की याचना परमेश्वर ने की थी।
   (झ) स्वयं करें।
   (ञ) ''सत्याग्रह भी क्षमा का ही एक रूप है।'' हृदय परिवर्तन की प्रक्रिया का दर्शन सत्याग्रह में होता है। शत्रु को भी मित्र बनाने की शक्ति सत्याग्रह में है।

खेल शब्दों का

1. (क) अकर्मक (ख) सकर्मक (ग) सकर्मक (घ) सकर्मक (ङ) अकर्मक
   (च) अकर्मक (छ)सकर्मक (ज) अकर्मक (झ) अकर्मक (ञ) अकर्मक
2. स्वयं करें।
3.

शब्द	मूलशब्द	प्रत्यय
गरीबी	गरीब	ई
मित्रता	मित्र	ता
अच्छाई	अच्छा	आई
शंकालु	शंका	आलु
घबराहट	घबरा	आहट
भारतीय	भारत	ईय
दर्दनाक	दर्द	नाक
सम्मान	सम्	मान

पाठ - 18 दो बहनें

अभ्यास

बात-बात में

(क) गुरुसेवक असलियत में चोरी से कोकीन बेचने का काम करता था।
(ख) रामदुलारी के ससुर एक रियासत के मुख़्तारआम थे।
(ग) रूपकुमारी और रामदुलारी दोनों बहनों के नाम थे।
(घ) स्वयं करें।
(ङ) दोनों बहनें कई साल बाद एक तीसरे नातेदार के घर में मिली थी।

लिखित

1. (क) रामदुलारी (ख) 75 रुपए
2. (क) गुरुसेवक की बात सुनकर रूपकुमारी ने ठान लिया की वह जैसी है वैसी ही सही है।
   (ख) रूपकुमारी ने साड़ी पहनी हुई थी।
   (ग) मनुष्य का मोल उसके बैंक-अकाउंट और टीप-टाप से आँका जाता है।
   (घ) रूपकुमारी बहन के घर जाकर उसकी असलियत की छानबीन करना चाहती थी कि सच में वह रईस है या बस दिखावा कर रही है।
   (ङ) जब उसे गुरुसेवक की असलियत का पता चला तो रूपकुमारी के चेहरे पर आत्मसम्मान की लालिमा दौड़ पड़ी।
   (च) रामदुलारी ने अपने पति के बारे में बताया कि वह एजेंट है।
   (छ) समाज की कुव्यवस्था आदमी में ईर्ष्या द्वेष अपहरण और नीचता के भावों को उकसाती और उभारती रहती है।
   (ज) रामदुलारी से मिलने के बाद रूपकुमारी को अपना घर कब्रिस्तान सा लग रहा था न कही फर्श न फर्नीचर न गमले दो चार टूटी तिपाइयाँ एक लंगड़ी मेज चार पांच पुरानी-धुरानी खाटें यही उस घर की बिसात थी।
   (झ) रामदुलारी ने रूपकुमारी से अपने जीजा जी के विषय में पूछा "जीजा जी की कुछ तरक्की-वरक्की हुई कि नहीं बहन या अभी तक वही 75 रुपए का कलम घिस रहे है?"
   (ञ) जब रामदुलारी ने कहा कि उसके पति को एजेंसी में पाँच सौ का औसत पड़ जाता है तो रूपकुमारी ने उससे पूछा "जब एजेंटी में इतना वेतन और भत्ता मिलता है, तो ये सारे कालेज बंद क्यों नहीं हो जाते? हजारों लड़के क्यों अपनी जिंदगी खराब करते हैं?"

खेल शब्दों का

1. भैंस - भैंसा माली - मालिन बूढ़ा - बुढ़िया गाय - बैल
   अध्यापक - अध्यापिका पति - पत्नी गायक - गायिका
   ससुर - सास मोर - मोरनी

2. (क) भी (ख) तो (ग) ही (घ) भी (ङ) तो
3. (क) प्रभु निराकार है, फिर भी मूर्ति बनाकर उसे साकार बनाने की कोशिश होती है।
   (ख) रुग्ण-स्वस्थ - साईं कृपा से रुग्ण भी स्वस्थ हो जाते है।
   (ग) जल-स्थल - कछुआ जल में तैरता है और स्थल पर चल सकता है।
   (घ) स्वाधीन-पराधीन - स्वाधीन व्यक्ति सपने में भी पराधीन नहीं रह सकता।
   (ङ) आदान-प्रदान - नववर्ष के दिन लोग तोहफों का आदान-प्रदान कर रहे हैं।

पाठ - 19 क्या खोया क्या पाया

अभ्यास

बात-बात में

(क) कौरवों ने युधिष्ठिर को जुआ खेलने की चुनौती दी।
(ख) युधिष्ठिर को जुआ खेलने का शौक था।
(ग) उस जमाने में जुआ खेलना आम रिवाज था।
(घ) युधिष्ठिर की भेंट रोज प्रातः जुआरी से होती थी।
(ङ) जुए में हारने से जुआरी उदास था।

लिखित

1. (क) जुआरी से (ख) बेईमान से (ग) मुद्राएँ
2. (क) अपनी कुशलता का परिचय सदैव अच्छे कार्यों और अच्छे उदेश्यों के लिए होना चाहिए न कि बुरे कार्यों के लिए।
   (ख) युधिष्ठिर और जुआरी दोनों ही अपने गुणों की परीक्षा जुए जैसे बुरे काम में करते रहे इसलिए युधिष्ठिर ने स्वयं को और जुआरी को मूर्ख कहा।
   (ग) हारकर लौटते हुए जुआरी ने युधिष्ठिर से प्रश्न किया "महाराज आप बड़े चिंतक और नीतिवान है। बताइए इस खेल में कैसे कोई लगातार जीत सकता है।
   (घ) हार जीत को भाग्य का खेल मानकर लोग बनते-बिगड़ते थे।
   (ङ) जब प्रातः युधिष्ठिर टहलने निकलते थे तब उनकी भेट जुआरी से होती थी।
   (च) कौरवों के बारे में यह जानते हुए भी कि कौरव झूठे पासे फेंक बेईमानी करेंगे फिर भी युधिष्ठिर उनके साथ जुआ खेलने के लिए तैयार हो गए।
   (छ) कौरवों और पांडवों के बीच खेले गए जुए का यह परिणाम निकला कि पांडव अपना राजपाट भाई पत्नी आदि सब कुछ खो बैठे।
   (ज) जुए जैसे खेल के विषय में जुआरी की राय थी कि अन्य खेलों से जुआ अलग है इससे तो वही जीतेगा जो परले सिरे का बेईमान होगा।
   (झ) युधिष्ठिर कौरवों के साथ जुआ खेलने के लिए तैयार हो गए मानो वह जुआरी है इससे तो वही जीतेगा जो परले सिरे का बेईमान होगा।
   (ञ) हारे हुए जुआरी के प्रश्न का युधिष्ठिर ने उत्तर दिया कि सत्य और ईमानदारी से प्रयत्न करते रहो, अवश्य जीतेंगे।

खेल शब्दों का

1. सत्य - असत्य संपन्न - विपन्न युद्ध - शाँति मूर्ख - बुद्धिमान मित्र - शत्रु
   झूठा - सच्चा प्रातः - सांय हार - जीत
2. इक ईय
   दैनिक मानवीय
   मासिक दर्शनीय
   व्यावहारिक पठनीय
   साप्ताहिक अकल्पनीय
   वार्षिक दयनीय
3. (क) परोपकार करने वाला - परोपकारी
   (ख) जो सब जगह हो - सर्वव्यापक
   (ग) शरण में आया हुआ - शरणागत
   (घ) जो कठिनाई से मिले - दुर्लभ
   (ङ) जिसने ऋण चुका दिया हो - उऋण
   (च) अनुचित बात करने के लिए आग्रह करने वाला - दुराग्रही
   (छ) बेईमानी करने वाला - बेईमान
   (ज) रात में घूमने वाला - निशाचर
   (झ) जुआ खेलने वाला - जुआरी
   (ञ) विशेष विषय का ज्ञाता - विशेषज्ञ

अभ्यास प्रश्न पत्र - 2

1. (क) बेथलहम (ख) प्रत्यक्ष (ग) 75 (घ) नौ (ङ) रेल का इंजन
2. (क) चाँद बीबी ने सैनिकों को इकट्ठा करके कहा -"यह साथ हम सबके मान - अपमान और आजादी-गुलामी का प्रश्न है। मेरे साथ आओ और देश के लिए बहादुरी से युद्ध करो।"
   (ख) गुरुसेवक के अनुसार धन का देवता और लक्ष्मी उन पर मेहरबान होते हैं जो उसके लिए अपना दीन-ईमान सब कुछ छोड़ने को तैयार हैं।
   (ग) समाज की कुव्यवस्था आदमी में ईष्या द्वेष अपहरण और नीचता के भावों को उकसाती और उभारती रहती है।
   (घ) सेठ को देखकर दीनानाथ के मन में लालसा पनपती थी कि शम्बू की अम्मा अच्छा पहने-ओढ़े अच्छा खाए-पीए बच्चे किलकारियाँ मारते फिरे खिलौने का ढेर लगा रहता है उनके लिए।
   (ङ) क्षमा की अवधारणा में प्रत्यक्ष व्यवहार का बड़ा महत्व है।
3. असफलता एक चुनौती है, इसे स्वीकार करो,
   क्या कमी रह गयी देखो और सुधार करो।
   जब तक न सफल हो, नींद चैन को त्यागो तुम,
   संघर्षों का मैदान छोड़कर मत भागो तुम।

4. मन का विश्वास रगों में साहस भरता है।
चढ़कर गिरना, गिरकर चढ़ना न अखरता है।
आखिर उसकी मेहनत बेकार नहीं होती,
कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती।

5. (क) संजना द्वारा गीत गाया जाता है।
(ख) माँ से सप्ताह में एक बार बाजार जाया जाता है।
(ग) वंदना द्वारा अंगूठी खरीदी गई।
(घ) अधिकारी द्वारा आदेश दिया जाता है।
(ङ) मेरे द्वारा यह कहानी पढ़ी जाती है।

7. भैंस – भैंसा माली – मालिन बूढा – बुढ़िया गाय – बैल
अध्यापक – अध्यापिका पति – पत्नी गायक – गायिका
ससुर – सास मोर – मोरनी

8.

इक	ईय
दैनिक	मानवीय
मासिक	दर्शनीय
व्यावहारिक	पठनीय
साप्ताहिक	अकल्पनीय
वार्षिक	दयनीय